हरियाणा विधानसभा चुनाव 2000 एवं 2005 का तुलनात्मक विश्लेषण

कुलभूषण शर्मा

सार

2000 के चुनाव यद्यपि आम चुनाव थे परन्तु इन चुनावों के परिणाम ने हरियाणा की राजनीति में एक नया मोड़ दिया था। इन चुनावों द्वारा हविपा भाजपा पार्टी जो कि चुनाव से पहले सत्ता में थी चुनाव परिणामों के काफी नीचे चली गई। लोगों का जनादेश हविपा भाजपा गठबन्धन के विपक्ष में था। इनेलो भाजपा गठबन्धन के नेता चौधरी ओमप्रकाश चौटाला सरकार बनाने में सफल रहे थे।

भूमिका

फरवरी, 2000 के चुनाव में मुख्य रूप से इनेलो, इण्डियन नेशनल कांग्रेस, हविपा, बसपा, भाजपा तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस तथा कम्यूनिस्ट पार्टी ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य पार्टियों ने भी जैसे कम्यूनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) रिपब्लिकन, अजेय जयभारत पार्टी ने चुनावों में भाग लिया। परन्तु इन पार्टियों का कोई खास जनाधार नहीं रहा। हरियाणा विधानसभा के मध्यावधि आम चुनाव फरवरी, 2000 में इण्डियन नेशनल कांग्रेस ने अकेले ही अपने बलबूते पर 90 सीटों पर चुनाव लड़ा तथा किसी अन्य पार्टी से कोई तालमेल नहीं किया और 90 में से 21 सीटें जीतकर 32 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। हरियाणा विकास पार्टी ने 82 सीटों पर चुनाव लड़ा परन्तु वह केवल 2 सीटें ही जीत सकी तथा इसका मत प्रतिशत 5.55 रहा। भारतीय जनता पार्टी ने इण्डियन नेशनल लोकदल के साथ गठबन्धन के तहत 29 सीटों पर चुनाव लड़ा परन्तु यह पार्टी केवल 6 सीटें ही जीत सकी तथा इसका मत प्रतिशत 8.95 रहा। इण्डियन

नेशनल लोकदल ने भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबन्धन करके 61 सीटों पर चुनाव लड़ा तथा इस पार्टी ने 47 सीटें जीतकर 29.60 प्रतिशत मत प्राप्त किए। इनेलो भाजपा गठबन्धन के रूप में उभरा। बसपा ने इन सीटों पर चुनाव लड़ा और यह सिर्फ एक ही सीट जीत सकी जिससे इनका मत प्रतिशत 5.74 रहा। इसके अलावा 519 निर्दलीय उम्मीद्वारों ने भी चुनाव लड़ा तथा उन्होने 11 सीटें जीतकर विधानसभा में प्रवेश किया। इन चुनावों में इनेलो भाजपा गठबन्धन की जीत हुई और अपनी सरकार स्थापित की। कांग्रेस पार्टी इनेलो भाजपा गठबन्धन के समक्ष विरोधी दल के रूप में स्थापित हुई चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व में इनेलो सभी पार्टियों की स्थिति को तालिका नं. 1 में दर्शाया गया है।

तालिका नं. 1 हरियाणा विधानसभा चुनाव 2000 में विभिन्न राजनीतिक दलों की स्थिति

क्र.सं.	पार्टी का नाम	चुनाव लड़ा (सीटें)	सीटें जीती	मत प्रतिशत
1.	इनेलो	61	47	29.60
2.	कांग्रेस	90	21	32.00
3.	हविपा	82	2	5.55
4.	बसपा	83	1	5.74
5.	भाजपा	29	6	8.95
6.	राष्ट्रवादी कांग्रेस	32	1	0.51
7.	रिपब्लिकन	5	1	0.61
8.	स्वतन्त्र उम्मीद्वार	519	11	16.92

फरवरी, 2005 में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में एक तरफ इनेलो–भाजपा, बसपा एवं एकता शक्ति पार्टियों की हार हुई, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी शक्ति के रूप में उभरी। इस चुनाव ने भाजपा की अपने बलबूते पर राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने की धारणा को गलत साबित कर दिया।

कांग्रेस (आई) ने 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और 67 सीटों पर विजय हासिल की। इनेलो ने 89 सीटों पर चुनाव लड़ा और 9 सीटें जीत पाई, भाजपा जिसने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा वह मात्र 2 सीटों पर ही जीत पाई। बसपा ने 82 सीटों पर चुनाव लड़ा और 1 ही सीट जीतने में कामयाब रही, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने 14 सीटों पर चुनाव लड़ा और मात्र 1 सीट जीतने में कामयाब रही। कुछ ही समय पूर्व राजनीति में प्रवेश करने वाली एकता शक्ति पार्टी ने 36 सीटों पर चुनाव लड़ा और कोई सीट नहीं जीत सकी। पार्टी अध्यक्ष वीरेन्द्र मराठा समेत 3 प्रत्याशी ही जमानत बचाने में कामयाब रहे। इसके अलावा 619 आजाद उम्मीद्वारों ने चुनाव लड़ा और 10 सीटें जीतने में कामयाब रहे। हरियाणा में कांग्रेस पार्टी ने सरकार बनाई और भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को मुख्यमन्त्री बनाया गया। इन सभी पार्टियों की स्थिति को तालिका नं. 2 में दर्शाया गया है।

तालिका नं. 2 हरियाणा विधानसभा चुनाव 2005 में विभिन्न राजनीतिक दलों की स्थिति

क्रम संख्या	पार्टी का नाम	चुनाव लड़ा (सीटें)	सीटें जीती	मत प्रतिशत
1.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	90	67	37.48
2.	भारतीय जनता पार्टी	90	2	9.17
3.	इण्डियन नेशनल लोकदल	89	9	23.48
4.	बहुजन समाज पार्टी	82	1	2.89
5.	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	14	1	0.63
6.	निर्दलीय	619	10	12.2

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2005 में कांग्रेस पार्टी ने 67 सीटें जीतकर प्रदेश में ऐतिहासिक जीत हासिल की, भाजपा का इन चुनावों में जनाधार गिरा और 6 सीटों से घटकर केवल 2 सीटें ही जीत पाई। पिछड़े व दलितों के नाम पर चुनाव लड़ने वाली पार्टी बसपा मात्र 1 सीट पर ही सिमट कर रह गई। जाट मतदाता बाहुल्य मानी जाने वाली इनेलो पार्टी इस बार बुरी तरह पराजित हुई इसे विपक्षी दल का दर्जा पाने हेतु 10 सीटें भी प्राप्त न हो सकी।

निष्कर्ष

2000 के चुनावों में इनेलो भाजपा गठबन्धन कांग्रेस (आई) व बसपा ने राज्यस्तरीय व क्षेत्रीय स्तर के मुद्दों पर अधिक जोर दिया। इन चुनावों में इनेलो–भाजपा गठबन्धन क्षेत्रीय मुद्दों के कारण जीते थे। फरवरी, 2005 के विधानसभा चुनाव से पूर्व इनेलो भाजपा गठबन्धन टूट गया। कांग्रेस पार्टी में हविपा का विलय हो गया। इन चुनावों में क्षेत्रीय मुद्दों से अधिक राज्यस्तरीय मुद्दे हावी रहे। जिस कारण कांग्रेस पार्टी स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने में सफल रही।

संदर्भ

1. हरियाणा विधानसभा चुनाव, 2000 पर रिपोर्ट, मुख्य चुनाव अधिकारी, चण्डीगढ़, हरियाणा ।
2. दैनिक ट्रिब्यून, चण्डीगढ़, 28 फरवरी, 2005, पृ॰ 9
3. ''वि विल गो टू दी पीपल टू फाइन्ड आऊट व्हायी वी फेल्ड'', इण्डिया टुडे, 14 मार्च, 2005, पृ॰ 56
4. योगेन्द्र गुप्ता एण्ड सुभाष दीप चौधरी, ''कांग्रेस स्वीप्स इन हरियाणा'', द ट्रिब्यून, चण्डीगढ़, 16 जनवरी, 2005 पृ॰ 7
5. मुख्य चुनाव कार्यालय, हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़, 2005